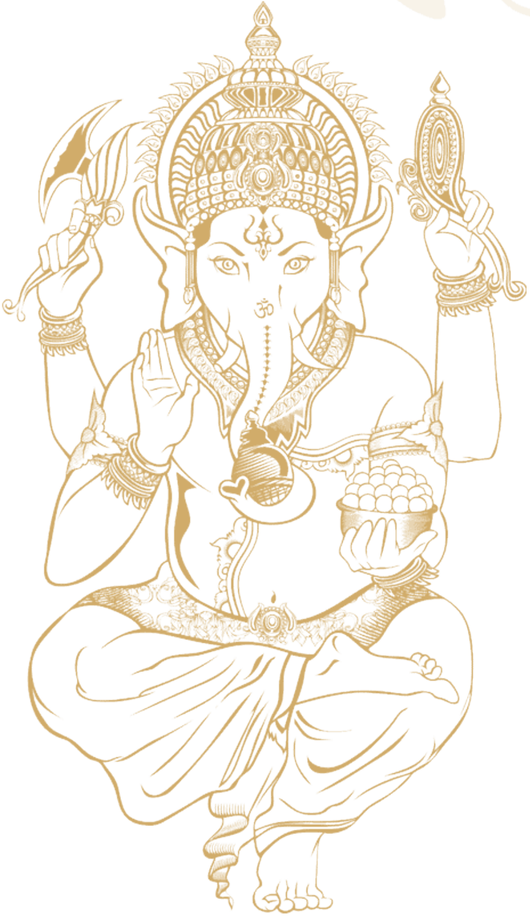

Sarbjit

03 Aug 1993

10:15 PM

Ropar

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	**: 03/08/1993**
दिन	: मंगलवार
जन्म समय	**: 22:15:00 घंटे**
इष्ट	: 41:21:52 घटी
स्थान	**: Ropar**
राज्य	: Punjab
देश	: India

अक्षांश	: 30:59:00 उत्तर
रेखांश	: 76:31:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:23:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 21:51:04 घंटे
वेलान्तर	: -00:06:10 घंटे
साम्पातिक काल	: 18:40:09 घंटे
सूर्योदय	: 05:42:15 घंटे
सूर्यास्त	: 19:17:26 घंटे
दिनमान	: 13:35:11 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: वर्षा
सूर्य के अंश	: 17:34:30 कर्क
लग्न के अंश	: 20:55:39 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**: कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**: धनिष्ठा - 3**
नक्षत्र स्वामी	: मंगल
योग	: सौभाग्य
करण	: तैतिल
गण	: राक्षस
योनि	: सिंह
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: शूद्र
वश्य	: मानव
वर्ग	: मार्जार
युँजा	: अन्त्य
हंसक	: वायु
जन्म नामाक्षर	: गू-गूजरमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	: लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	20:55:39	521:23:11	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	---
सूर्य			कर्क	17:34:30	00:57:25	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	01:09:00	12:15:05	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
मंगल			कन्या	01:00:43	00:37:14	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
बुध			मिथु	28:19:34	00:53:54	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	स्वराशि
गुरु			कन्या	16:23:51	00:09:18	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	08:14:17	01:08:51	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	मित्र राशि
शनि	व		कुंभ	04:23:00	00:04:13	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	16:31:27	00:11:02	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	16:31:27	00:11:02	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	सम राशि
हर्ष	व		धनु	25:34:30	00:02:11	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
नेप	व		धनु	25:24:07	00:01:28	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो			तुला	28:56:56	00:00:02	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	---
दशम भाव			धनु	15:27:13	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:21

लग्न-चलित

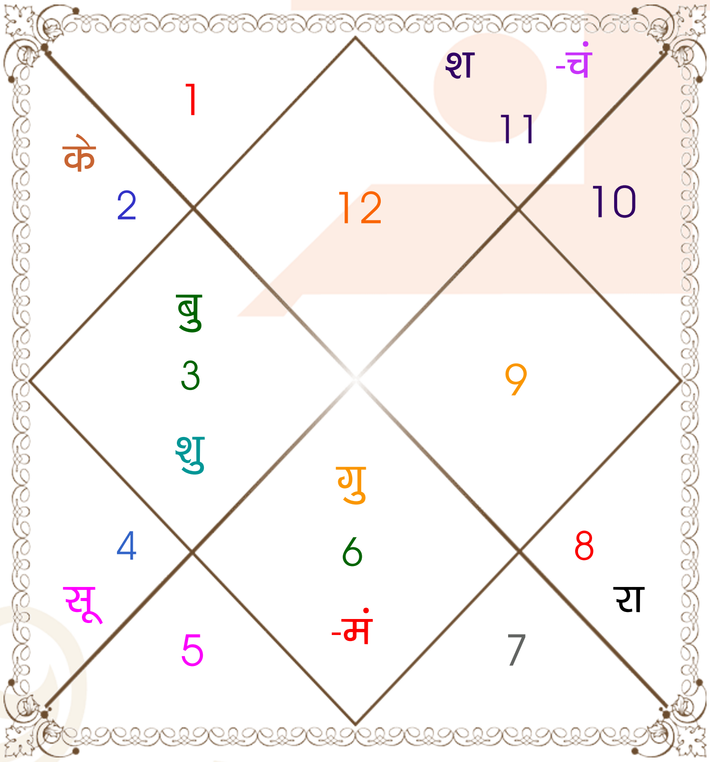

चन्द्र कुंडली

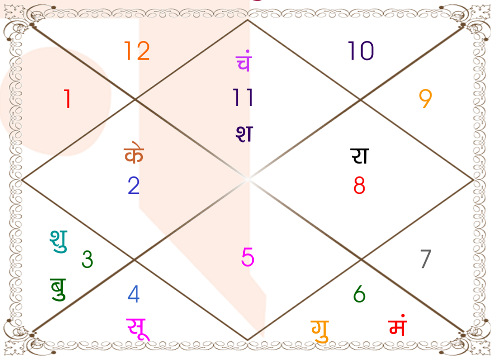

नवमांश कुंडली

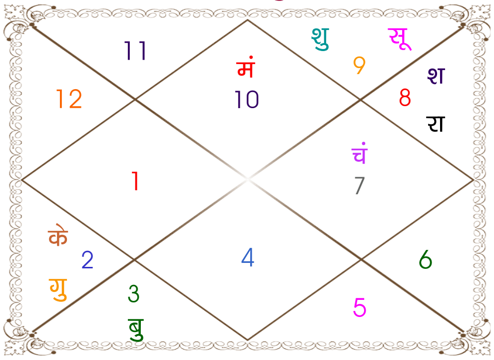

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 2 वर्ष 10 मास 22 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
03/08/1993		26/06/1996		27/06/2014		27/06/2030		27/06/2049	
26/06/1996		27/06/2014		27/06/2030		27/06/2049		27/06/2066	
	00/00/0000	राहु	09/03/1999	गुरु	14/08/2016	शनि	30/06/2033	बुध	23/11/2051
	00/00/0000	गुरु	02/08/2001	शनि	25/02/2019	बुध	09/03/2036	केतु	19/11/2052
	00/00/0000	शनि	08/06/2004	बुध	02/06/2021	केतु	18/04/2037	शुक्र	20/09/2055
	03/08/1993	बुध	26/12/2006	केतु	09/05/2022	शुक्र	17/06/2040	सूर्य	27/07/2056
बुध	23/12/1993	केतु	14/01/2008	शुक्र	07/01/2025	सूर्य	30/05/2041	चंद्र	26/12/2057
केतु	21/05/1994	शुक्र	14/01/2011	सूर्य	26/10/2025	चंद्र	29/12/2042	मंगल	23/12/2058
शुक्र	21/07/1995	सूर्य	08/12/2011	चंद्र	25/02/2027	मंगल	07/02/2044	राहु	12/07/2061
सूर्य	26/11/1995	चंद्र	08/06/2013	मंगल	01/02/2028	राहु	14/12/2046	गुरु	18/10/2063
चंद्र	26/06/1996	मंगल	27/06/2014	राहु	27/06/2030	गुरु	27/06/2049	शनि	27/06/2066

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
27/06/2066		27/06/2073		27/06/2093		27/06/2099		28/06/2109	
27/06/2073		27/06/2093		27/06/2099		28/06/2109		00/00/0000	
केतु	23/11/2066	शुक्र	26/10/2076	सूर्य	14/10/2093	चंद्र	27/04/2100	मंगल	24/11/2109
शुक्र	23/01/2068	सूर्य	26/10/2077	चंद्र	15/04/2094	मंगल	26/11/2100	राहु	12/12/2110
सूर्य	30/05/2068	चंद्र	27/06/2079	मंगल	21/08/2094	राहु	28/05/2102	गुरु	18/11/2111
चंद्र	29/12/2068	मंगल	26/08/2080	राहु	15/07/2095	गुरु	27/09/2103	शनि	27/12/2112
मंगल	27/05/2069	राहु	27/08/2083	गुरु	03/05/2096	शनि	28/04/2105	बुध	04/08/2113
राहु	15/06/2070	गुरु	27/04/2086	शनि	14/04/2097	बुध	27/09/2106		00/00/0000
गुरु	22/05/2071	शनि	27/06/2089	बुध	19/02/2098	केतु	28/04/2107		00/00/0000
शनि	29/06/2072	बुध	26/04/2092	केतु	27/06/2098	शुक्र	27/12/2108		00/00/0000
बुध	27/06/2073	केतु	27/06/2093	शुक्र	27/06/2099	सूर्य	28/06/2109		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 2 वर्ष 10 मा 27 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के द्वितीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन लग्न के साथ-साथ मकर का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति से इस संयोजन की स्थापना हो रही है कि आपका जीवन आदर्श, संपन्न एवं प्रसन्नतम रहेगा।

आपकी राशि आपकी लाभजनक एवं अनुकूलता से युक्त संपूर्ण जीवन-यापन हेतु आपके हाथ को व्यवहार से युक्त बनाया गया है। यदि आप वासना के प्रति अपने मनोवृति को विमुख कर लें तथा अपनी इच्छा को मद्यपान लालच का परित्याग कर दें। पश्चात् यदि आप अपने जीवन में समझदारी से सफल व्यक्ति बन जाएंगे। आप विश्वसनीय धार्मिक, आदरणीय, अपने अभिभावक की दृष्टिकोण से समझे जाएंगे तथा आप धर्म नेता एवं संतों की सेवा के प्रति रूचिवान रहेंगे तथा अन्यों की दृष्टि में एक आदर्श प्राणी देखे जाएंगे।

इसमें संदेह नहीं कि आप अन्यों की संपत्ति को बिना अधिकृत किए हुए तथा बिना किसी की छत्र-छाया के धन संचय करेंगे। आप अपने पारिवारिक सदस्यों की मांग अर्थात् आवश्यकता की पूर्ति सदैव उनसे मिल कर करते रहोगे। सदैव आपकी अपनी उदारता के कारण अपने अपने मित्रों की सहायता करेंगे। परंतु कुछ लोग संगठित हो कर अकस्मात् आपकें सांसारिक सुख भोग में नीचता दिखावें। यदि आप इसको त्याग कर, लोगों की सहायता हेतु दान प्रदान के प्रति रूचिवान बन जाएं तब आप अपने उद्देश्य के अनुरूप ऊपर ऊठ जाएंगे तथा यह प्रमाणित हो जाएगा कि आपका आदर्श मानव की सेवा ही भगवान की सेवा है। इन बातों में आप विश्वास करते हैं।

आप अपने मित्रों के उपर अंध विश्वास करने की प्रवृति का परित्याग करें। वास्तव में आपका मित्र सच्चे हैं एवं आप ऐसा अंगीकृत करते हो कि आपके मित्र पूर्णरूपेण आपके प्रति समर्पित हैं। अतएव आपकी आदत है कि ऐसा अनुभव करते हो कि ये लोग समय पर निश्चित रूप से मेरा समर्थन करेंगे। लेकिन आपको उस समय गंभीर आघात का अनुभव होगा जबकि वे मित्र अपनी वचन बद्धता के प्रतिकूल आचरण कर किसी भी प्रकार से किसी भी समय आपको किसी भी कार्य के योग्य नहीं समझेंगे। इसलिए आप अपने मित्रों के साथ सतर्कता पूर्वक व्यावसायिक व्यवहार हेतु अग्रसर होवे।

अपनी मदद स्वयं करना ही उत्तम सहयोग है। आपके पास इतनी बुद्धि और सामर्थ्य है कि आप अपनी समस्याओं स्वयं सुलझा सकते हैं। इसलिए आप अन्य की सहायता मत ले अन्यथा आप कालांतर में उनकी चंगुल में फंस जाएंगे। हर दशा में आवश्यक है कि आप अपनी कार्य योजना के पीछे पूर्ण आत्म विश्वास के साथ सुनिश्चित ढंग से अग्रसर हों। पुनः निश्चित रूप से आप अपना लाभांश प्राप्त कर लेंगे।

आप अपने संपूर्ण जीवन क्रम में तीन बार समस्याओं के साथ मुठभेड़ करेंगे। यह आयु आपके जीवन की 17 वर्ष, 21 वर्ष एवं 24 वर्ष में ऐसा प्रमाणित होगा कि आप भाग्यशाली नहीं है। इसलिए इस अवधि में ध्यान एवं सर्तकता पूर्वक अग्रसर होंवे। इसके पश्चात आपकी

आयु लंबी एवं भव्यता पूर्वक व्यतीत होगा।

आपके लिए व्यवसायों में अनुकूलता के अनुरूप धार्मिक संस्थाओं का प्रधान पद (प्रेस) मुद्रण कार्य, प्रचार कार्य एवं विज्ञापन कार्य, रेडियो टेलिफोन एवं ज्योतिषीय कार्य उत्तम प्रतीत होता है। यदि आपकी इच्छा हो, तो आप वकालत कार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य में चमत्कृत हो सकते हैं। आप स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से दीर्घायु एवं स्वस्थ रहेंगे। लेकिन यदि मद्य पान अथवा धुम्रपान किए तो संभव है कि आप क्रमानुसार आंत्रशोध, अल्सर, वृक्कशोथ रोगादि से प्रभावित हो सकते हैं। अतः इस प्रकार की परिस्थिति उत्पन्न होने के पूर्व इसके संबंध में विचार करना चाहिए।

यह विचारणीय तथ्य नहीं है कि आपका अपना जीवन कैसा होगा। आप इस भावना के प्रति आश्वस्त रहे कि आपका घरेलू जीवन समझदार पत्नी एवं उदीयमान पुत्रों से युक्त होगा।

आप सर्वदा इस बिंदु को परित्याग करें कि आपके लिए अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल एवं अनुपयुक्त है। आपके लिए अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक भाग्यशाली एवं उत्तम है।

आपके लिए रंगों में गुलाबी रंग, लाल, नारंगी एवं पीला रंग अनुकूल प्रतीत होता है। आपके लिए स्पष्ट रूप से नीला रंग अग्राह्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में आपके लिए उत्तम दिन रविवार, सोमवार एवं गुरुवार का दिन अच्छा प्रमाणित होता है। इसके अतिरिक्त शेष दो दिन बुधवार एवं शनिवार सर्वथा प्रतिकूल है।